भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.02.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 811 का उत्तर

गुरूवायूर रेलवे स्टेशन की विकास परियोजनाएं

811. श्री टी.एन. प्रथापन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गुरूवायूर रेलवे स्टेशन की चालू और पूरी हो चुकी विकास परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार द्वारा उपरोक्त रेलवे स्टेशन की तीर्थ महत्ता को ध्यान में रखते हुए वातानुकूलित विश्राम कक्षों, वातानुकूलित प्रतीक्षालयों, वाटर कूलरों आदि जैसी सुविधाओं का निर्माण किए जाने की संभावना है;
(ग) क्या सरकार द्वारा गुरूवायूर, विशेषकर उत्तरी केरल से जाने और आने वाली और अधिक रेलगाड़ियां चलाए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने गुरूवायूर तिरूनावाया रेल लाइन निर्माण परियोजना छोड़ दी है; और
(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

गुरूवायूर रेलवे स्टेशन की विकास परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 07.02.2024 को लोक सभा में श्री टी.एन. प्रथापन के अतारांकित प्रश्न सं. 811 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): हाल ही में रेल मंत्रालय द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत गुरुवायूर रेलवे स्टेशन को विकास के लिए चिन्हित किया गया है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे रेलवे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय में यथा आवश्यक सुधार, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण आदि में सुधार लाने के लिए उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार; रेलवे स्टेशन का शहर की दोनों तरफ के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था, आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार 'रूफ प्लाजा', और रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टर्स के निर्माण की संकल्पना की गई है।

इस समय गुरुवायूर रेलवे स्टेशन पर 12 रेलगाड़ी सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल में रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना एक सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

वर्ष1995-96 में ₹137.71 करोड़ की लागत पर गुरुवायूर और तिरुन्नावाया के बीच 35 किलोमीटर लंबाई के लिए नई लाइन परियोजना स्वीकृत की गई थी। परियोजना की प्रत्याशित लागत ₹477 करोड़ है।

केवल कुन्नमकुलम तक लगभग 8 किलोमीटर के लिए अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण किया जा सका था। हालांकि कुन्नमकुलम और तिरुन्नावाया के बीच अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण के लिए एक एजेंसी निर्धारित की गई थी और अंतिम संरेखण को अंतिम रूप देने के लिए परीक्षण सर्वेक्षण पहले ही पूरा किया जा चुका था, लेकिन संरेखण के विरुद्ध उग्र जन विरोध के कारण अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण को रोकना पड़ा था।

संरेखण के खिलाफ लगातार जन विरोध के कारण अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण को आगे नहीं बढ़ाया जा सका था।

****

s.k